SANJAY
STORE TEXTILES
Dara Market, Johari Bazar & Tonk Road, Paanch Batti JAIPUR
2570847

If undelivered, Pl. return to
रमन अग्रवाल (संपादक)
हैल्थ व्यू : 170/3, रामगली, राजापार्क
जयपुर-302004
मो. 98290-66272
राष्ट्रस्तरीय पाक्षिक पत्रिका

अगस्त 04 , 2025

HEALTH VIEW
हैल्थ व्यू

कैंसर एवं गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रयासरत संस्थान

सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

विशेष वार्षिक सदस्यता-500/-* 1100/-* सहयोग-2100*/- विशेष सहयोग 3100*/-

वर्ष 24 अंक 12 हिन्दी/अंग्रेजी पृष्ठ 4 प्रति-2 रु., जयपुर 04 अगस्त, 2025

चाय, नमकीन, सुपारी, मसाले, पाउडर इत्यादि की पैकिंग के लिए
ऑटोमेटिक पाउच पैकिंग मशीनें
सुरेंद्र कुमार एण्ड कंपनी
2368358, 2378231 मो. 9829013384
खंडेलवाल स्कूल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जयपुर

साइनस की तकलीफ : मौसम, कारण, उपाय और भविष्य के उपचार : डॉ पांडे

साइनस की तकलीफ, जिसे साइनोसाइटिस भी कहते हैं, नाक के आसपास की खाली जगह (साइनस) में सूजन के कारण होती है। सुधांशु अनंत ईएनटी हॉस्पिटल के प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुधांशु अनंत पांडे बताते हैं कि यह समस्या कुछ खास मौसमों में बढ़ जाती है.

किस मौसम में होती है अधिक तकलीफ ?

साइनस की तकलीफ मुख्य रूप से ठंडे और बदलते मौसम में अधिक होती है। सर्दी में ठंडी हवा और वायरसों का प्रसार इसे बढ़ाता है. बसंत और पतझड़ में एलर्जी (परागकण, धूल) और मानसून में नमी तथा फफूंद री साइनस के लक्षणों को ट्रिगर कर सकते हैं।

किन लोगों को होती है यह समस्या? :

साइनस की समस्या किसी को भी हो सकती है, पर कुछ लोग अधिक संवेदनशील होते हैं :

एलर्जी वाले लोग और अस्थमा के मरीज। कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्ति।

जिनकी नाक की बनावट में समस्या हो (टेढ़ी हड्डी या नेसल पॉलीप्स)।

निदान और उपचार : साइनस का निदान लक्षणों और शारीरिक परीक्षण के आधार पर होता है।उपचार साइनस के प्रकार और गंभीरता पर निर्भर करता है

घरेलू उपाय : नमक के पानी से गरारे, गर्म भाप लेना, पर्याप्त आराम और तरल पदार्थ का सेवन।

दवाएं : डॉक्टर एंटीबायोटिक्स, डिकंजेस्टेंट, नेसल कॉर्टिकोस्टेरॉइड स्प्रे या एंटीहिस्टामाइन लिख सकते हैं।

सर्जरी : गंभीर मामलों में, खासकर जब दवाएं काम नहीं करतीं या संरचनात्मक समस्या हो, तो एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी (FESS) की जाती है.

भविष्य में होने वाले एडवांसमेंट।

डॉ. सुधांशु अनंत पांडे
ईएनटी स्पेशलिस्ट चौमूं

साइनस के उपचार में भविष्य में कई महत्वपूर्ण प्रगति की उम्मीद है

बायोलॉजिक दवाएं गंभीर क्रॉनिक साइनोसाइटिस और नेसल पॉलीप्स के लिए विकसित की जा रही हैं।

पर्सनलाइज्ड मेडिसिन से प्रत्येक रोगी का होगा इलाज।

बेहतर इमेजिंग तकनीकें (जैसे उन्नत सीटी स्कैन) निदान और सर्जरी की योजना को और अधिक सटीक बनाएंगी।

एडवांस्ड सर्जिकल तकनीकें जैसे रोबोटिक सर्जरी साइनस सर्जरी को और अधिक सटीक और सुरक्षित बनाएंगी, जिससे रिकवरी तेजी से होगी। साइनस की समस्या से निपटने के लिए

संपर्क सूत्र : **डॉ सुधांशु अनंत पांडे**
(ई एन टी स्पेशलिस्ट चौमू)
मो 79766 09972

प्रियंका हॉस्पिटल को मिला NABH सर्टिफिकेट उत्कृष्ट कार्डियक सेवाओं का सम्मान

डॉ. जी.एल. शर्मा

डॉ. पीयूष जोशी

जयपुर शहर के लिए यह गर्व की बात है कि प्रियंका हॉस्पिटल एवं कार्डियक सेंटर को NABH (National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers) का प्रतिष्ठित सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। यह सम्मान हॉस्पिटल की उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं और मरीज़ों की सुरक्षा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

NABH सर्टिफिकेट क्यों है महत्वपूर्ण?

NABH एक राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन है जो किसी भी अस्पताल को तब दिया जाता है, जब वह मरीज़ों की देखभाल, सुरक्षा, इन्फेक्शन कंट्रोल, और सुविधाओं से जुड़े कड़े राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है। इक्का से प्रमाणित होने का मतलब है कि अस्पताल में-

सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल : मरीज़ों को सबसे अच्छी और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएँ मिल रही हैं।

बेहतर प्रक्रियाएँ : अस्पताल की सभी प्रक्रियाएँ, जैसे कि दवा वितरण, सर्जरी, और रिकॉर्ड प्रबंधन, सुव्यवस्थित और प्रभावी हैं।

मरीज़ों का अधिकार : मरीज़ों के अधिकारों और उनकी निजता का पूरा सम्मान किया जाता है।

निरंतर सुधार : अस्पताल अपनी सेवाओं में लगातार सुधार के लिए प्रयासरत है। यह सर्टिफिकेट किसी भी मरीज़ के लिए विश्वास का प्रतीक है कि वह एक ऐसे संस्थान में इलाज करवा रहा है जो गुणवत्ता और सुरक्षा के उच्चतम मानदंडों पर खरा उतरता है।

प्रियंका हॉस्पिटल : टाइम-बाउंड कार्डियक सेवाओं में अग्रणी

प्रियंका हॉस्पिटल विशेष रूप से अपनी टाइम-बाउंड कार्डियक सेवाओं के लिए जाना जाता है, जो हृदयघात के मरीज़ों के लिए जीवनदायी साबित होती हैं। हृदयघात के मामले में, समय ही जीवन है। विशेषज्ञों का मानना है कि दिल का दौरा पड़ने के बाद पहले कुछ घंटे, जिन्हें गोल्डन आवर कहा जाता है, इलाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान मिलने वाला त्वरित और प्रभावी इलाज मरीज़ की जान बचाने और हृदय को होने वाले नुकसान को कम करने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

प्रियंका हॉस्पिटल की टीम इसी सिद्धांत पर काम करती है।

डायरेक्टर डॉ. पीयूष जोशी एक कर्मठ कार्डियोलॉजिस्ट हैं : जिन्होंने अपनी टाइम-बाउंड इलाज की दक्षता से अब तक अनेकों जानें बचाई हैं। उनका मानना है कि सही समय पर सही इलाज मिलना हर मरीज़ का अधिकार है।

वहीं, डॉ. जी.एल. शर्मा, जिन्हें राजस्थान में कॉम्प्लेक्स एंजियोप्लास्टी के लिए जाना जाता है, अपनी विशेषज्ञता से जटिल मामलों को भी सफलतापूर्वक हल करते हैं। उनकी और उनकी कुशल टीम की योग्यता और अनुभव, प्रियंका हॉस्पिटल को कार्डियक इमरजेंसीज़ के लिए एक भरोसेमंद केंद्र बनाते हैं।

डॉ. जी.एल. शर्मा-9829011567
डॉ. पीयूष शर्मा-982905555

दूरबीन (एंडोस्कोपी) से संभव है गंभीर बीमारियों का इलाज : डॉ. दीपक शर्मा

चिकित्सा जगत में एंडोस्कोपी के बढ़ते उपयोग और महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. दीपक शर्मा (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट, दीपक गैस्ट्रो हॉस्पिटल) ने बताया कि यह विधि अब सिर्फ रोगों की पहचान तक सीमित नहीं रही है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों के इलाज में भी प्रभावी साबित हो रही है।

डॉ. दीपक शर्मा
ईएनटी स्पेशलिस्ट चौमूं

आंत का इलाज

एंडोस्कोपी के जरिए आंत के सिकुड़े हुए हिस्से को बैलून की मदद से फैलाकर खोला जा सकता है। डॉ. शर्मा ने बताया कि विशेषज्ञों की प्रतिभा और समर्पण के बल पर अब गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों का भी कम समय, कम कष्ट और कम खर्च में इलाज संभव हो गया है।

संपर्क सूत्र : डॉ दीपक शर्मा
मो. 8619227342

एंडोस्कोपी : उपचार का नया माध्यम

डॉ. शर्मा के अनुसार, एंडोस्कोपी अब रोग पहचान के सीमित दायरे से बाहर निकलकर प्रभावी उपचार का एक प्रमुख माध्यम बन गई है।

जटिल रोगों का इलाज : पित्त की थैली, अग्न्याशय (पैनक्रियाज) और भोजन नली से संबंधित जटिल रोगों का इलाज अब दूरबीन (एंडोस्कोप) के माध्यम से ही संभव है।

मोटापा और ट्यूमर : बिना ऑपरेशन के मोटापे का इलाज और बिना चीरे के ट्यूमर निकालने जैसी आधुनिक विधियां अब उपलब्ध हैं।

कैंसर की प्रारंभिक पहचान

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग करके छोटी आँत,

अमाशय और बड़ी आँत में कैंसर की शुरुआती पहचान की जा सकती है।

घुटनों के दर्द का समाधान

डॉक्टर की सलाह और आधुनिक उपचार : डॉ. राजीव भार्गव

डॉ. राजीव भार्गव

डॉक्टर की सलाह : घुटनों के दर्द के लिए किसी भी उपचार या व्यायाम को शुरू करने से पहले एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से सलाह लेना सबसे महत्वपूर्ण है।

इन गतिविधियों से बचें : घुटनों के दर्द में आलथी-पालथी (पद्मासन), स्क्वैट्स, सीढ़ियां चढ़ना-उतरना और दौड़ना जैसी गतिविधियां दर्द को बढ़ा सकती हैं।

मालिश और स्टेरॉयड : दर्द वाले हिस्से की मालिश और स्टेरॉयड के इंजेक्शन कुछ समय के लिए राहत दे सकते हैं, लेकिन ये स्थायी इलाज नहीं हैं। स्टेरॉयड इंजेक्शन दो-तीन बार से ज़्यादा नहीं लगवाने चाहिए।

ऑस्टियोआर्थराइटिस : घुटनों के दर्द का एक मुख्य कारण ऑस्टियोआर्थराइटिस है, जिसमें कार्टिलेज घिसने से हड्डियों में रगड़ और जोड़ में सूजन-दर्द होता है।

जोड़ प्रत्यारोपण (Joint Replacement) : गंभीर मामलों में, आधुनिक इंप्लांट की मदद से जोड़ प्रत्यारोपण एक सफल और स्थायी समाधान है। इसके बाद व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है, जैसे आलथी-पालथी मारना, सीढ़ियां चढ़ना और साइकिल चलाना।

संपर्क सूत्र : डॉ राजीव भार्गव मो. 9829015752

एंडोस्कोपी के क्षेत्र में नई क्रांति

डॉ. एस. एस. शर्मा

जयपुर, होटल क्लार्क आमेर – Endocon 2025 के भव्य सिल्वर जुबली सम्मेलन में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एंडोस्कोपी के क्षेत्र में हो रही अभूतपूर्व प्रगति को उजागर किया गया। देश-विदेश के प्रख्यात विशेषज्ञों ने अपनी प्रस्तुतियों और अनुभवों से यह स्पष्ट किया कि कैसे दूरबीन शल्य चिकित्सा (एंडोस्कोपी) रोग पहचान के सीमित दायरे से निकल कर अब प्रभावी उपचार का एक प्रमुख माध्यम बन गई है।

एंडोस्कोपी की नवीनतम तकनीकों पर आधारित यह सम्मेलन अत्यंत सफल रहा। मोटापे का बिना ऑपरेशन इलाज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) द्वारा छोटी आँत, अमाशय व बड़ी आँत में कैंसर की प्रारंभिक पहचान, और बिना चीरे के ट्यूमर निकालने जैसी आधुनिक विधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने यह भी बताया कि एंडोस्कोपी को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए नवोदित चिकित्सकों को एनिमल मॉडल्स पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। ASGE (American Society for Gastrointestinal Endoscopy) के सहयोग से पीजी कोर्स का भी आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी ऑफ इंडिया की ओर से शुरू हुई 3 दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस में पहले दिन देश-विदेश के विशेषज्ञों ने एंडोस्कोपी के जटिल पहलुओं पर चर्चा की। ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन और सीनियर गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. एसएस शर्मा ने बताया कि इसमें कई देशों से 1500 से अधिक विशेषज्ञ शामिल हुए हैं। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अभिनव शर्मा और डॉ. सुधीर महर्षि ने बताया कि एंडोस्कोपी के जरिए आंत के सिकुड़े हिस्से को बैलून से फैलाकर खोला जा सकता है।

होना चाहिए कैंसर जांच के लिए नेशनल स्क्रीलिंग प्रोग्राम

यूके की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी और मायो क्लीनिक से जुड़े वरिष्ठ एंडोस्कोपिस्ट प्रो. डॉ. प्रदीप भंडारी ने भारत में एंडोस्कोपी की अपार संभावनाओं की सराहना की। यूके में जहां ओसोफेगस कैंसर की प्रारंभिक जांच के लिए नेशनल स्क्रीनिंग प्रोग्राम हैं, वहीं भारत में ऐसी व्यवस्था का अभाव है। इसके बावजूद भारतीय एंडोस्कोपिस्ट तकनीकी रूप से अत्यंत दक्ष हैं और कई बार यूके के विशेषज्ञों से भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। यह सम्मेलन वैश्विक सहयोग का उत्कृष्ट अवसर साबित हुआ।

प्रो. डॉ. प्रदीप भंडारी

गैस्ट्रो सर्जरी के क्षेत्र में आई नई क्रांति

(पचन संस्था सर्जन एवं दूरबीन परीक्षक, कोरपे मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, अकोला, महाराष्ट्र)

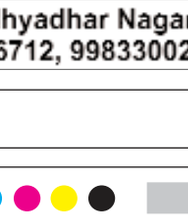

डॉ. कोरपे* के अनुसार बीते 50 वर्षों में दूरबीन सर्जरी का अभूतपूर्व विकास

डॉ. सुभाष चंद्र कोरपे

अकोला, महाराष्ट्र से डॉ. सुभाष चंद्र कोरपे, जो कोरपे मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक जाने-माने पाचन संस्था सर्जन और दूरबीन परीक्षक हैं, ने गैस्ट्रो सर्जरी के क्षेत्र में पिछले 50 वर्षों में आए अमूलचूल परिवर्तनों पर प्रकाश डाला है। डॉ. कोरपे के अनुसार, मेडिकल साइंस की तरक्की ने इस क्षेत्र को पूरी तरह से बदल दिया है, खासकर दूरबीन सर्जरी (लैप्रोस्कोपिक सर्जरी) के संबंध में।

उन्होंने बताया कि लगभग 50 साल पहले, दूरबीन शास्त्र (एंडोस्कोपी) का उपयोग मुख्य रूप से रोगों के निदान तक ही सीमित था। यह सिर्फ शरीर के अंदरूनी हिस्सों को देखने और समस्याओं की पहचान करने का एक जरिया था। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में हुई वैज्ञानिक प्रगति ने इस तस्वीर को पूरी तरह से बदल दिया है।

आज की तारीख में, दूरबीन शास्त्र केवल निदान का साधन नहीं रहा, बल्कि यह रोगों के इलाज का एक सर्वोत्तम और अत्यधिक प्रभावी साधन साबित हो रहा है।

डॉ. कोरपे जोर देते हैं कि हम सभी मेडिकल साइंस की इस शानदार तरक्की के चश्मदीद गवाह हैं। पहले जहां बड़े चीरे लगाकर सर्जरी की जाती थी, वहीं अब न्यूनतम इनवेसिव तकनीकों (minimally invasive techniques) का उपयोग कर जटिल से जटिल पाचन संबंधी बीमारियों का सफल इलाज किया जा रहा है। इससे मरीजों को कम दर्द, तेजी से रिकवरी और अस्पताल में कम समय तक रुकना पड़ता है।

डॉ. कोरपे ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी दूरबीन शास्त्र आरोग्य के क्षेत्र में अत्यंत अहम भूमिका निभाएगा। यह न केवल निदान और उपचार को और अधिक सटीक बनाएगा।

NEURO CARE HOSPITAL
& Research Centre Pvt. Ltd
Dr. NEMI CHAND POONIA
DIRECTOR
(MBBS, MS, Mch Neuro surgery)
Vision of Excelence Mission to save Lives
न्यूरो एवं स्पाइन की विश्व स्तरीय अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा
न्यूरो एंडोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क एवं स्पाइन के ऑपरेशन की सुविधा
14 बेड का गहन चिकित्सा इकाई, विश्व स्तरीय मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर
नसों के रास्ते दिमाग की जटिल बीमारियों का इलाज
राजस्थान में प्रथम न्यूरो नेविगेशन सिस्टम के द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
1/611 Sector 1, Vidhyadhar Nagar Jaipur
PH: 0141-2236712, 9983300286

ML SPINE AND ORTHOPAEDIC CENTER
MULTI SPECIALITY HOSPITAL
DR. MOHIT LAL MEENA
MS(ORTHO)
Fellowship Spine
Fmiss (Mumbai)
Mo. 98290-30601
DR. MOHAN LAL MEENA
SENIOR CHILD SPECIALIST
MD (Paediatrics)
Mo.- +91 98298-88355
D-311, Siddharth Nagar, Mother Teresa Colony, Gator Road, Jaipur Mo. 9829888355

आधुनिक लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव
चश्मा हटाने का राज्य में एकमात्र स्थान
SMILE LASIK
बिना फ्लेप, बिना ब्लेड लेजर द्वारा चश्मा हटाना, पतले कार्निया के लिए भी अधिक सुरक्षित
VisuMax Laser
डॉ.वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Dr. Goyal's
PATH LAB & IMAGING CENTRE
Dr. Piyush Goyal
MBBS, DMRD
Director & Chief Radiologist
MRI (3 Tesla) • CT SCAN (32 Slice) • 3D/4D ULTRA SONOGRAPHY • COLOUR DOPPLER • CTMT • 2D ECHO • ECG • NCV • EEG • EMG • LABORATORY • DIGITAL X-RAY
B-51, Ganesh Nagar, Near Metro Pillar No. 109-110 New Sanganer Road, Sodala, Jaipur
Ph: 0141-2293346, 4049787, 9887049787

उपचार से बेहतर है रोकथाम, स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम

"विचार" ॐ मानव ही है जिसकी सोच बंधी

पंकज अंबा

मेरी समझ में मानव और परमात्मा धागे के दो सिरे है जिसने खुद को पा लिया वो परमात्मा तक अपने आप पहुँच जायेगा। पर आजकल आदमी खुद से ही दूर है इसलिए खुद को ढुढ़ों आप अपने आप उसको पा लोगे। एक मानव ही है जिसकी सोच बंधी हुई नहीं हैं वो सब कुछ सोच सकता है इसलिए कर लेता है। एक मछली पानी के बाहर का नहीं सोच सकती पर मालिक ने आदमी को यह छूट दी है, उसने रोबोट नहीं बनाया जिसमें चिप लगी है।

देखा जाए तो सब में चिप लगी महसूस होती है। कुत्ते के बच्चे सरदी में ही जन्म लेते है, मोर मरा जानवर कभी नहीं खाता पर मनुश्य में ऐसा कुछ नहीं, भगवान ने अपने तक पहुँचने की यह छूट दी है। चौरासी लाख की जंजीर की आखरी कड़ी है यह मानव योनि मानो तो मिलने का मौका है भगवान से। इसलिए पहले खुद को ढुढ़ों, खुद को पहचानों तो इस जंजीर से मुक्त हो जाओगे।

मैं यह नहीं कहता कि सब छोड़ कर लग जाओ एक ही काम में। सारी उम्र दूसरों के लिए जीते हो सुबह उठे लग गए काम में, रात आई सो गये। पूरा दिन ऐसे ही चला

गया और कभी किसी के कहने पर राम का नाम लेने बैठे तो फैमली डीस्टर्ब हो गई; पता लगा नाम लेते-लेते पानी आने के टाइम की चिन्ता हो गई इसलिये खुद को पाना है तो खुद का टाइम खुद को दो। वो टाइम जब तुम सोते हो उसमें से समय निकालो आठ की जगह छः घंटे ही सोओ तो कोई तुम्हें ताने नहीं देगा, कोई नहीं टोकेगा फिर देखों कुछ ही दिनों में परिणाम आना शुरू हो जाएगा, तुमको भी मेरी तरह दिखना शुरू हो जायेगा, संदश आने शुरु हो जायेगें मेरे पास आना नहीं पड़ेगा।

संसार में जो कुछ हो रहा है वो खत्म नहीं हो रहा है। खाली हाथ कोई नहीं आता ना खाली हाथ जाता है। सब अपने कर्मों का हिसाब लेके आते है और लेके जाते है। पैदा होते ही किसी बच्चे के मुँह में तो सोने का चम्मच होता है तो किसी को दूध भी नसीब नहीं होता।

तुम जो कर रहे हो और जो तुम्हारे साथ हो रहा है वो सब तुम्हारे हिसाब में लिखा है। इसलिए तो मुझे पता लग जाता है कि तुम्हारे साथ पहले क्या घटा। उसके जिम्मेदार तो तुम खुद पहले थे और आगे भी रहोगे, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम अपने बगीचे में बीज डालते हो फूलों के लिए पर कुछ निकलते है, कुछ नहीं। कुछ अगले साल अपने आप बिना देख-रेख के निकल आते है। इसी तरह तुम्हारे कर्मों का फल अगर अभी नहीं मिला तो आगे मिलेगा पर मिलेगा जरूर।

संपर्क सूत्र : पंकज अम्बा
मो 9829353757

गंदा पानी बन रहा है हेपेटाइटिस का खतरा

निम्स मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र धर की चेतावनी

डॉ. राजेन्द्र धर

निम्स मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र धर ने चेतावनी दी है कि गर्मी और वर्षा के मौसम में दूषित जल और खाद्य पदार्थों के सेवन से संक्रामक रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इनमें सबसे गंभीर बीमारी है हेपेटाइटिस, जो लीवर में सूजन का कारण बनता है।

गर्मी और बरसात के मौसम में खाद्य पदार्थों और पानी के दूषित होने की आशंका ज्यादा, दूषित जल सेवन से हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई जैसी बीमारियों का खतरा, लीवर में सूजन को कहते हैं हेपेटाइटिस, इसका कारण संक्रामक वायरस, हेपेटाइटिस बी और सी का संक्रमण रक्त के माध्यम से फैलता है।

दूषित पानी, अस्वच्छता, संक्रमित ब्लेड/रेज़र, असुरक्षित यौन संबंध भी जिम्मेदार।

लक्षण - उल्टी, बुखार, पीलिया - तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी

रोकथाम- साफ-सफाई, शुद्ध पानी का सेवन, व्यक्तिगत हाइजीन, टीकाकरण जरूरी

डॉ. धर ने बताया कि हेपेटाइटिस एक वायरल संक्रमण है जो शरीर में प्रवेश कर यकृत (लीवर) को प्रभावित करता है। यह रोग विभिन्न प्रकार के वायरस के कारण हो सकता

है - जिनमें प्रमुख हैं हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई। दूषित पानी और भोजन का सेवन, गंदे हाथों से खाना, और अस्वच्छ जीवनशैली इसके मुख्य कारण हैं।

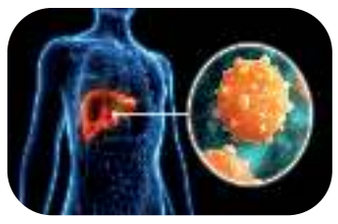

विशेष रूप से हेपेटाइटिस बी और सी रक्त के माध्यम से फैलते हैं। संक्रमित रक्त से संपर्क, बिना स्टरलाइज्ड उपकरणों से इंजेक्शन, संक्रमित व्यक्ति का टूथब्रश या रेजर उपयोग करना, टैटू बनवाना, और असुरक्षित यौन संबंध इसके खतरे को बढ़ाते हैं।

लक्षणों में उल्टी, बुखार और पीलिया प्रमुख हैं। डॉ. धर का कहना है कि लक्षण नजर आते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर उचित इलाज कराना जरूरी होता है, अन्यथा यह जानलेवा भी हो सकता है। रोकथाम के उपायों में साफ-सफाई, उबला या फिल्टर्ड पानी का सेवन, हाथ धोने की आदत और टीकाकरण शामिल हैं।

संपर्क सूत्र-
डॉ. राजेन्द्र धर
मोबाइल- 94140-73962
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, निम्स मेडिकल कॉलेज

दादी मां के नुस्खे

सहारा आयुर्वेदिक सेंटर के डॉ. अशोक शर्मा का कहना है कि मानव शरीर के रोगोपचार में कई बार घरेलू नुस्खे बहुत कारगर होते हैं।

बदलता मौसम

जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उलटी की शिकायत महसूस हो तो.... आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उलटी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इन बीमारियों से निजात दिला सकती है। एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी बीमारी में आराम मिलता है। अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है। अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं।

संपर्कः डॉ. अशोक शर्मा
मो. 9314512311

उपरोक्त नुस्खे चिकित्सक की सलाह से ही लें।

हील इन इंडिया पहल

वैश्विक प्रतिष्ठा और आर्थिक विकास का नया अध्याय

भारत, जो सदियों से अपने समृद्ध इतिहास, विविध संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्वभर में विख्यात रहा है, अब मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भी एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। हील इन इंडिया पहल के माध्यम से देश न केवल अपनी आर्थिक वृद्धि को गति दे रहा है, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर अपनी प्रतिष्ठा को भी अभूतपूर्व रूप से बढ़ा रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद भारत को मेडिकल क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान मिली है, और आज यह मेडिकल टूरिज्म का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है।

भारत की अतुलनीय चिकित्सा क्षमता - भारत की उच्च स्तरीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा प्रणाली दुनिया के कई विकसित देशों से बेहतर है। हमारे विश्वस्तरीय अस्पतालों में अत्यंत जटिल चिकित्सा प्रक्रियाएं भी अत्यधिक कुशल और योग्य चिकित्सकों द्वारा बहुत ही कम लागत में उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह लागत-प्रभावीता और गुणवत्ता का संयोजन ही भारत को मेडिकल टूरिस्टों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाता है। इसके साथ ही, आयुष (आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, नेचुरोपैथी और सिद्धा) जैसी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ भी दुनिया भर के लोगों को आकर्षित कर रही हैं। इन प्राचीन उपचार प्रणालियों में बढ़ती वैश्विक रुचि ने भारत को समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बना दिया है।

सरकारी प्रयास और वैश्विक मान्यता - भारत सरकार मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। 167 देशों के नागरिकों के लिए ई-मेडिकल वीजा और ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा की शुरुआत एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसने अंतरराष्ट्रीय मरीजों के लिए भारत की यात्रा को सरल बनाया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, वर्ष 2020-21 में मेडिकल टूरिज्म संगठन द्वारा जारी मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स में भारत को पूरे विश्व के 46 गंतव्यों में 10वीं रैंक मिली, जो हमारी बढ़ती वैश्विक महत्ता को दर्शाता है।

वैश्विक स्तर पर मेडिकल टूरिज्म का बाजार 60-80 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है, और लगभग 14 मिलियन लोग विभिन्न देशों की यात्रा चिकित्सा उद्देश्यों के लिए करते हैं। इस विशाल बाजार में भारत की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

चुनौतियाँ और आगे की राह - डॉ. पंकज जैन, प्रोफेसर मेडिकल कॉलेज, कोटा के अनुसार, इन उल्लेखनीय उपलब्धियों के बावजूद, भारत में मेडिकल टूरिज्म को लेकर कुछ चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इनमें पहुंच एवं पूंजी की कमी, सामुदायिक भागीदारी एवं जागरूकता का अभाव, ग्रामीण क्षेत्रों की गैर-भागीदारी, अस्पतालों में विभिन्न चिकित्सा प्रक्रियाओं के इलाज खर्च की एकरूप मूल्य निर्धारण नीतियों का अभाव, जटिल वीजा प्रक्रिया, पूर्ण चिकित्सा बीमा कवरेज का अभाव और बीमा पोर्टेबिलिटी की अनुपलब्धता शामिल हैं।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए बहु-स्तरीय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है -

समय पर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना -विकसित देशों से मरीजों को आकर्षित करने के लिए त्वरित और कुशल स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

नियामक निगरानी को सुदृढ़ करना - मरीजों के हितों की रक्षा के लिए चिकित्सा क्षेत्र में नियामक ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है।

चिकित्सा क्षेत्र में डिजिटलीकरण - एक व्यापक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म स्थापित करना और टेलीमेडिसिन का उपयोग बढ़ाना रोगी परामर्श व फॉलोअप सेवाओं को मजबूत कर रोगी पहुंच का विस्तार करेगा।

डॉ. संजय मेहंदीरत्ता बने प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसायटी के अध्यक्ष

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का नया संकल्प

उपाध्यक्ष

सचिव

कोषाध्यक्ष

संयुक्त सचिव

अध्यक्ष

हैल्थ व्यू @ जयपुर

प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसायटी की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। इस महत्वपूर्ण बदलाव के साथ, डॉ. संजय मेहंदीरत्ता को सोसायटी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति राज्य में निजी स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य के लिए एक नई दिशा का संकेत है।

नई कार्यकारिणी में अन्य प्रमुख पद इस प्रकार हैं -

उपाध्यक्ष	**- डॉ. संदीप जैन**
सचिव	**- डॉ. राकेश कालरा**
कोषाध्यक्ष	**- डॉ. दीपक भारद्वाज**
संयुक्त सचिव	**- डॉ. नवनीत गुप्ता**
प्रवक्ता	**- डॉ. राकेश कालरा**

पदाधिकारियों के भविष्य के संकल्प और विचार

अध्यक्ष पद संभालने के बाद, डॉ. संजय मेहंदीरत्ता ने संगठन और राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक सम्मान की बात है कि मुझे प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसायटी का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। हमारा प्राथमिक लक्ष्य राज्य में निजी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक को उच्चतम स्तर की चिकित्सा सुविधा मिले। डॉ. मेहंदीरत्ता ने आगे कहा, हमारा ध्यान केवल अस्पतालों के बीच समन्वय स्थापित करने पर ही नहीं होगा, बल्कि हम राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जो सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य क्षेत्र के बीच एक सेतु का काम करें।

उपाध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने इस अवसर पर कहा, हमारा प्रयास रहेगा कि हम स्वास्थ्य क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और उपचार पद्धतियों को बढ़ावा दें। इसके साथ ही, हम निजी अस्पतालों में रोगी सुरक्षा और नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए काम करेंगे। सचिव डॉ. राकेश कालरा, जो प्रवक्ता की भी जिम्मेदारी निभाएंगे, ने बताया, हमारा एजेंडा स्पष्ट है - पारदर्शिता और जवाबदेही। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम से संबंधित सभी प्रक्रियाएं स्पष्ट और न्यायसंगत हों। साथ ही, हम समुदाय के साथ बेहतर संवाद स्थापित करेंगे ताकि स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों की चिंताओं को दूर किया जा सके। कोषाध्यक्ष डॉ. दीपक भारद्वाज ने वित्तीय स्थिरता और संसाधनों के कुशल उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम सोसायटी के वित्तीय संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग करेंगे ताकि सदस्यों के लिए बेहतर प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जा सकें। इससे न केवल हमारे सदस्यों को लाभ होगा, बल्कि अंततः मरीजों को भी बेहतर सेवाएं मिलेंगी।

संयुक्त सचिव डॉ. नवनीत गुप्ता ने कहा, हमारा प्रयास होगा कि सोसायटी के सभी सदस्यों को एक साथ लाया जाए। हम आपसी सहयोग और ज्ञान साझाकरण को प्रोत्साहित करेंगे, जिससे पूरे निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाए
Dr. Rajendra Yadav
BDS, MDS, Master of implantology (USA)
G.L. Memorial Superspeciality
Raj Dental Hospital
G-1A&B Anukampa Apartment Model Town, Malviya Nagar, Jaipur
Mob- 9784804833

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाए
आदर्श दमा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
सन 2007 से सेवारत
डॉ कोमल अग्रवाल MS Gynae
डॉ मोनिका अग्रवाल MS Gynae
डॉ दिनेश गुप्ता शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ भरत शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ
हमारे विशेषज्ञ
निदेशक: डॉ जे एस चौधरी
परामर्श दाता डॉ चेतन्य शर्मा MBBS MD
डॉ लेखराज शर्मा MBBBS MD
डॉ प्रदीप अग्रवाल MBBS MD
राज विलास होटल और बाबा जी मोड़ के मध्य गोनेर रोड जयपुर मो. 9414359701

NIMT GROUP OF INSTITUTIONS
मेडिकल कैरियर में बेहतर भविष्य के लिए 100% Job Oriented कोर्स का विकल्प चुने
बैचलर डिग्री कोर्सेज
बी.एससी. नर्सिंग (RUHS-CUET)
पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग (RUHS-CUET)
डिप्लोमा कोर्सेज
डी. फार्मा (RUHS-CUET)
डी.एम.एल.टी. (RSAHC)
डी.आर.टी. (RSAHC)
डी.ई.सी.जी. (RSAHC)
डी.ओ.टी.टी. (RSAHC)
डी.जी.एन.एम.नर्सिंग (RNC)
डी.एम.वाई.एस. (NIOS)
शॉर्ट टर्म प्रोफेशनल कोर्सेज-NIOS

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाए
डॉ. मुकेश जैन
एम.डी. (मेडिसिन)
क्लिनिक
80/53 न्याय पथ, पटेल मार्ग, मानसरोवर जयपुर
मो. 9829089649

विज्ञापन के लिए संपक करें
रमन अग्रवाल
9829066272

Fixed Teeth only in 1 Hour
Dr. Preeti Mittal
ORAL DENTAL SURGEON
105, vrindavan vihar colony King's Road Nirman Nagar Jaipur
Mo: 9829460460

H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
DR. MUMTAJ ALI
Churu- Rajsthan
Mob. 9414084525
Ph: 250763

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाए
CHANDEL DENTAL HOSPITAL
Dr. Mahendra Saini
B.D.S (J.D.C)M.R.D.A., M.I.D.A
A-56, Ram Nagar, Jaipur Raj
9829862101, 9269945611

सूचना
हैल्थ व्यू में प्रकाशित लेख लेखकों के अपने विचार हैं और केवल आपकी जानकारी के लिए है कोई भी लेख पर अमल करने से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य कर लें। हैल्थ व्यू के सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
THE EDITTORIAL BOARD DOES NOT ENDORSE ANY PRODUCTS ADVERTISED IN THIS NEWSPAPER.
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल जयपुर होगा।

प्रत्येक अंतिम शनिवार को निःशुल्क एक्युप्रेशर व रेकी चिकित्सा जिसमें शारीरिक, मानसिक व चर्म से संबंधी रोगों का उपचार होगा।
संपर्क सूत्र
आकृति क्लिनिक
डॉ. पमिला छाबड़ा
मो. : 9829735666
रेकी व एक्युप्रेशर प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाए
डॉ. अरविंद शर्मा
होम्योपैथिक फजिशियिन

सभी बीमारियों का जड़ से इलाज (होम्योपैथी पद्धति) मानसिक-शारीरिक रोगों से परेशान रोगी निजात पाएं।
इमली फाटक सहकार मार्ग जयपुर मो 9829418155

LIFE SAVER
A SHOP OF LIFE SAVING DRUGS
STOCKISTS FOR
Cancer & Cardiac Medicines, Disposable Surgery Items Nutrition Fluids
168, Nehru Bazar, JAIPUR
TelÑ 2313129, 2310483, 2313281, MobÑ 98290-14267
DELIVERY FACILITY AVAILABLE

Dr. A. K. Sharma
MD, MNAMS (Nephrology)
Nephrologist, Dialysis & Transplant Specialist
ETERNAL HOSPITAL
Jawahar Circle Jagatpura Road, Jaipur,
Mob : 98290-65210

MAHAVEER DIAGNOSTIC
Super Speciality Lab
Thyroid ❖ Harmones ❖Tumour Markers ❖ Infertility/ Pregnency Hormones❖ Torch ❖ Metabolic Hormones ❖ Druf Assays
Dr. Manoj Jain
Mob. 94144-60959
ECHO & COLOR DOPPLER CENTRE
Whole Body Color Doppler Study, 2 D Echo- Adult & Paediatric, Carotid Doppler, Peripheral & Renal Doppler, Small Parts - Penile Doppler, Fetal Doppler & Echo
Manav Ashram, Gopalpura Mod, Jaipur Ph: 2704787

नकली पनीर का ज़हर - क्या अब भी खाओगे ?

संपादकीय

पनीर, भारतीय खानपान का अहम हिस्सा बन चुका है। शादियों से लेकर रोज़मर्रा के खाने तक, हर जगह इसका इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस सफेद, मुलायम और स्वादिष्ट दिखने वाले पनीर को आप बड़े चाव से खाते हैं, वह असल में आपकी सेहत को चुपचाप निगल रहा है? हाल ही में जयपुर के बिंदायिका थाना क्षेत्र में 1000 किलो नकली पनीर जब्त किया गया। पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया जो अलवर से यह जहरीला उत्पाद ला रहे थे और सस्ते दामों पर जयपुर के होटलों, हलवाइयों और कैटरिंग वालों को बेच रहे थे। असली पनीर जहां ?300–?350 किलो मिलता है, वहीं यह नकली कैमिकलयुक्त पनीर मात्र ?140 किलो में बाजार में बिक रहा था।

यह घटना कोई अपवाद नहीं है। नकली पनीर का जाल बहुत गहराई तक फैला हुआ है और यह हमारे लीवर, किडनी और पाचन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। डॉक्टरों के पास बढ़ते पेट, लिवर और स्किन रोगों के मरीज कहीं न कहीं इसी मिलावटखोरी का परिणाम हैं। प्रशासन की कार्यवाही सिर्फ दिखावे की बनकर रह गई है।

पकड़ एक दिन होती है, लेकिन अगले ही दिन फिर वही गोरखधंधा शुरू हो जाता है। ऐसे में जिम्मेदारी अब जनता की बनती है। हमें खुद यह तय करना होगा कि हम स्वाद के लालच में अपनी सेहत को क्यों दांव पर लगाएं? पनीर कोई जीवनरक्षक तत्व नहीं है। डॉक्टर ने कभी नहीं कहा कि पनीर खाओ वरना मर जाओगे। इसलिए अब समय आ गया है कि समाज मिलकर इस मिलावटखोरी के खिलाफ एकजुट हो और पनीर का पूर्ण बहिष्कार करे। यही एकमात्र उपाय है जिससे मिलावटखोरों की कमर तोड़ी जा सकती है।

सेहत से समझौता नहीं — अब नकली पनीर को 'ना' कहिए।

बिना लाइसेंस सप्लाई कर रहे थे नकली दवाएं

राजधानी दिल्ली में ड्रग्स कंट्रोल विभाग को नकली दवाइयों को पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है। पश्चिम विहार इलाके में ड्रग्स कंट्रोल विभाग, दिल्ली सरकार ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.3 करोड़ से अधिक कीमत की अवैध रूप से जमा की गई दवाएं जब्त की है।

यह छापेमारी विभाग की इंटेलिजेंस सेल से मिली सूचना के आधार पर की गई, जिसमें एक आवासीय परिसर में बिना लाइसेंस के दवाओं के स्टोरेज और डिस्ट्रीब्यूशन की जानकारी मिली थी। ड्रग्स कंट्रोल विभाग की एक विशेष टीम ने यह छापा मारा और बड़ी कार्रवाई की।

बिना लाइसेंस हो रही थी सप्लाई – ड्रग्स कंट्रोल विभाग को निरीक्षण के दौरान टीम को बड़ी मात्रा में अ च छ` ब्रांड्स की दवाएं बिना किसी वैध लाइसेंस के बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन के मकसद से जमा पाई गई। यह स्पष्ट रूप से ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम का उल्लंघन है।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार अवैध और बिना लाइसेंस वाली दवा गतिविधियों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए हुए हैं।साथ ही उन्होंने कहा कि नकली या एक्सपायरी दवाओं से जुड़ी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।
सोच बदलनी होगी यह कहावत शाश्वत सत्य है। सभी सुखी हों सभी रोग मुक्त रहें हम सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बने और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े।

श्रंखला 77

‖ सोच बदलनी होगी ‖

डॉ मान सिंह भांवरिया

ॐ शांति शांति शांति

इसका उच्चारण करके देखो कितनी शांति प्राप्त होगी। आज हम इस मुहावरे के अनुसार आपको जीवन जीने के तरीके के बारे में बताएंगे। हम जिस आपाधापी और भागदौड़ वाली जिंदगी में जीवन यापन कर रहे हैं सोच बदलनी होगी। कुछ बिंदुओं के द्वारा हमने जीवन को सही मार्ग पर लाने के लिए समझाने की कोशिश की है।

बेटी को 'बहू' बनाने की हमारी ज़िम्मेदारी

आज के समय में जब हम समाज में बराबरी और सम्मान की बात करते हैं, तब भी बेटियों की परवरिश को लेकर कुछ पुरानी धारणाएँ हमें सोचने पर मजबूर कर देती हैं। एक पुरानी कहावत है कि हमारी जिम्मेदारी, बेटी से बहू बनाने की होनी चाहिए। यह बात कुछ लोगों को सही लग सकती है, लेकिन क्या यह विचार आज के दौर में भी उतना ही प्रासंगिक है ?

आइए, एक कहानी के माध्यम से इस पर विचार करें।

एक वकील साहब ने अपने बेटे का रिश्ता तय किया। उन्होंने तीन बार अपनी होने वाली समधन के घर का दौरा किया। हर बार उन्होंने देखा कि होने वाली समधन घर के काम-काज में व्यस्त थीं - कभी खाना बनाते हुए, कभी झाड़ू लगाते हुए, तो कभी बर्तन साफ़ करते हुए।

वकील साहब सोच में पड़ गए कि जो बेटी अपनी माँ को काम करते देखकर उनकी मदद नहीं करती, वह किसी और के घर जाकर कैसे बहू के रूप में अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएगी?

क्या यह सोच सही है? – यह सच है कि बच्चों को जिम्मेदार बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना माता-पिता का कर्तव्य है। घर के काम-काज, चाहे वे कितने भी छोटे क्यों न हों, हर व्यक्ति को आने चाहिए, लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। यह केवल लड़कियों के लिए नहीं, बल्कि लड़कों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बदलाव की ज़रूरत – आज की बेटियाँ न सिर्फ घर के काम में माहिर हैं, बल्कि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं, करियर बना रही हैं और समाज के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्हें केवल एक बहू बनाने के बजाय, एक आत्मनिर्भर, समझदार और सशक्त इंसान बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

जिम्मेदारी सिखाएँ, बोझ नहीं – बच्चों को घर के काम-काज में हाथ बँटाना सिखाना अच्छी बात है। लेकिन, इसे सिर्फ लड़कियों का काम मानकर उन पर थोपना गलत है।

समानता का पाठ पढ़ाएँ – हमें अपने बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि घर के काम किसी एक व्यक्ति या लिंग की जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि यह पूरे परिवार की जिम्मेदारी है।

हमारी असली ज़िम्मेदारी – हमारी असली जिम्मेदारी अपनी बेटियों को एक पूर्ण इंसान बनाना है - ऐसा इंसान जो अपनी जिम्मेदारियों को समझता हो, दूसरों का सम्मान करता हो, और समाज में अपना योगदान दे सके। चाहे वह बेटी हो, बेटा हो।

संपर्क सूत्र –
डॉ मान सिंह भांवरिया
9672777737

डॉक्टर के नाम पर जीवन से खिलवाड़ और प्रशासन की घोर लापरवाही

राज्य में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ा एक बेहद चिंताजनक और गंभीर मामला सामने आया है, जिसने न केवल इस पवित्र पेशे की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है, बल्कि मरीजों के जीवन के साथ हो रहे घोर खिलवाड़ को भी उजागर किया है। एक ऐसा व्यक्ति जिसने विदेश से एमबीबीएस की डिग्री तो हासिल कर ली, लेकिन भारत में अनिवार्य एफएमजीई (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन) में फेल हो गया, उसने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करौली जिला अस्पताल में इंटर्नशिप शुरू कर दी। यह घटना प्रशासन की घोर लापरवाही और सत्यापन प्रक्रियाओं में बड़ी खामी को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

फर्जीवाड़े का पर्दाफाश – यह मामला तब सामने आया जब दौसा निवासी उदय पाराशर ने डाक के माध्यम से एसओजी (विशेष अभियान समूह) को एक परिवाद भेजा। शिकायत में बताया गया कि दौसा निवासी पीयूष कुमार त्रिवेदी नाम का युवक फर्जी दस्तावेज के आधार पर करौली जिला अस्पताल में इंटर्नशिप कर रहा है। एटीएस-एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है। एसओजी की शुरुआती जांच में ही यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि पीयूष ने एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण करने का जो दावा किया था, वह सरासर झूठा था। दरअसल, उस रोल नंबर पर सीरा चंदन नामक किसी अन्य अभ्यर्थी ने परीक्षा पास की थी।

एसओजी ने पीयूष कुमार की ओर से प्रस्तुत किए गए सभी दस्तावेजों - एफएमजीई इंटर्नशिप के लिए आरएमसी अलॉटमेंट, डिग्री, स्क्रीनिंग टेस्ट पास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता और 2016 की सीनियर सेकेंडरी मार्कशीट की प्रमाणित छायाप्रतियां - को राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, करौली (मण्डरायल रोड) से प्राप्त किया। जांच में स्पष्ट रूप से प्रमाणित हुआ कि पीयूष ने एफएमजीई की फर्जी डिग्री प्रस्तुत की थी।

जीवन से खिलवाड़ और प्रशासन की जवाब देही – यह घटना इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि किस तरह कुछ लोग केवल शौक या लालच के लिए मनुष्य के जीवन को दांव पर लगाने से भी नहीं हिचकिचाते। एक डॉक्टर, जिसे समाज में भगवान के बाद किसी के जीवन को बचाने का मौका दिया गया है, यदि उसमें आवश्यक योग्यता और नैतिक मूल्यों का अभाव हो तो यह समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा है। बिना योग्यता के डॉक्टरी पेशे में आना न केवल धोखाधड़ी है, बल्कि यह उन मरीजों के साथ घोर अन्याय है जो उन पर भरोसा करते हैं। यह मामला राज्य के स्वास्थ्य प्रशासन पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। आखिर कैसे एक व्यक्ति फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एक सरकारी अस्पताल में इंटर्नशिप शुरू कर सकता है? क्या इंटर्नशिप कराने वाले अस्पतालों में एफएमजीई पास करने वाले अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की वैधता की उचित जांच नहीं की जाती? यह स्पष्ट रूप से प्रशासन की ढीली निगरानी और सत्यापन प्रणाली में बड़ी चूक को दर्शाता है। यह लापरवाही भविष्य में ऐसे और भी फर्जी डॉक्टरों को चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश का अवसर दे सकती है, जिससे आम जनता का जीवन खतरे में पड़ सकता है।

आगे की राह- सख्त कार्रवाई और मजबूत प्रणाली

ऐसे मामलों में सख्त से सख्त कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस तरह की धोखाधड़ी को रोका जा सके और चिकित्सा पेशे की गरिमा बनी रहे। यह केवल पीयूष कुमार पर एफआईआर दर्ज करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इस पूरे नेटवर्क का पता लगाया जाना चाहिए जो ऐसे फर्जी दस्तावेजों को तैयार करने और उनका उपयोग करने में शामिल हो सकता है।

इसके साथ ही, इंटर्नशिप कराने वाले सभी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को दस्तावेज सत्यापन की अपनी प्रक्रियाओं को मजबूत करना होगा। एफएमजीई पास करने वाले अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों और संबंधित नियामक निकायों से सीधी पुष्टि अनिवार्य की जानी चाहिए। केवल तभी यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मरीजों का जीवन योग्य हाथों में सुरक्षित रहे।

स्वास्थ्य सेवा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी तरह की लापरवाही या धोखाधड़ी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। योग्यता और नैतिकता ही इस पेशे की आधारशिला होनी चाहिए।

भारत विकास परिषद और आरोग्यम हॉस्पिटल की 'एनीमिया मुक्त राजस्थान पहल

हजारों छात्राओं को मिलेगा बेहतर स्वास्थ्य!

भारत विकास परिषद, उत्तर पश्चिम क्षेत्र (शाखा - मालवीय नगर, जयपुर, प्रान्त राज. उत्तर पूर्व) और आरोग्यम हॉस्पिटल (सौजन्य से आरोग्यम सेवा संस्थान, जगतपुरा, जयपुर) ने मिलकर एनीमिया मुक्त राजस्थान नामक एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्कूली छात्राओं को एनीमिया के प्रति जागरूक करना और उन्हें इस बीमारी से मुक्ति

दिलाने में मदद करना है।

डॉ. पवन कुमार का संकल्प - स्वस्थ छात्राएं, मजबूत राष्ट्र आरोग्यम हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. पवन कुमार के अनुसार, संस्था द्वारा स्कूलों में एनीमिया जाँच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में छात्राओं को एनीमिया क्या है, इसकी पहचान कैसे होती है और इसके उपाय क्या हैं, इसकी विस्तृत जानकारी दी जाती है। डॉ. पवन ने इस बात पर जोर दिया कि स्वस्थ छात्राएं ही एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में सार्थक भूमिका निभा सकती हैं। उनका दृढ़ संकल्प है कि कोई भी छात्रा एनीमिया से ग्रस्त न हो।

निशुल्क दवाएं और जागरूकता अभियान इस पहल के तहत, जो छात्राएं एनीमिया से ग्रस्त पाई जाती हैं, उन्हें निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह प्रयास छात्राओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और उन्हें भविष्य के लिए सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारत विकास परिषद और आरोग्यम हॉस्पिटल का यह संयुक्त प्रयास लाखों मुस्कान लाने के एक बड़े संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत स्वस्थ पीढ़ियों का निर्माण किया जा सके। यह पहल निश्चित रूप से राजस्थान की छात्राओं के स्वास्थ्य में सुधार लाएगी और उन्हें एक उज्जवल भविष्य के लिए तैयार करेगी।

संपर्क सूत्र – डॉ. पवन कुमार
मो 9529549090

अवैध क्लीनिक पर कार्रवाइ

डूंगरपुर शहर के प्रगति नगर में रवि क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग ने छापेमारी की. एक घर में अवैध रूप से चल रहे, क्लीनिक के 2 कमरों में 9 बेड लगाकर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था।

अवैध क्लीनिक पर मरीजों की जांच के लिए एक प्राइवेट लैब भी मिली। कई अवैध एलोपैथिक दवाइयां भी मिलीं। खुद को डॉक्टर कहने वाले भरत खत्री के पास स्वास्थ्य विभाग के 16 मापदंड के कोई कागजात भी नहीं मिले।

क्लीनिक को किया सील – स्वास्थ्य विभाग ने क्लीनिक को सील कर द?िया. एडिशनल सीएमएचओ डॉ. विपिन मीणा ने बताया कि प्रगति नगर में एक 2 मंजिला घर में रवि क्लीनिक चल रहा था. इसकी शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर आज (बुधवार) क सीएमएचओ डॉ. राहुल जैन, ड्रग इंस्पेक्टर विनोद कुमार, आयुर्वेद अधिकारी डॉ. जयन यादव समेत टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे।

दो कमरों में 9 बेड लगे थे – डॉ. विपिन मीणा ने कहा कि क्लीनिक के 2 अलग-अलग कमरों में 9 बेड लगे हुए थे। हालांकि, क्लीनिक में एक भी मरीज भर्ती नहीं मिला. एक कमरे में मरीजों के खून, पेशाब की जांच के लिए लैब भी बना रखी थी, जिसमें कई जांच मशीनें लगी हुई थीं। इसके अलावा क्लीनिक में आयुर्वेद के साथ ही एलोपैथिक दवाइयां भी मिली हैं। क्लीनिक रजिस्ट्रेशन, लैब लाइसेंस, ड्रग लाइसेंस, बायो मेडिकल वेस्ट समेत 16 तरह के मापदंड पर किसी तरह के कोई डॉक्यूमेंट नहीं मिले।

दो दवाएं अमानक पाई गईं, बाजार से हटाने के आदेश

जयपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने दो दवाओं को अमानक पाते हुए उनके निर्माण और बिक्री पर रोक लगा दी है ।

जांच में एडविन मेडिलैब (एसएएस नगर) की विटामिन डी-3, मिथाइल कोबामिन, एल-मेथिल फोलेट कैल्शियम एंड फॉस्फेट (बैच नंबर DEMT-240501) और डीडी फार्मास्यूटिकल्स (जयपुर) की ओलिन-5 (बैच नंबर OM-9672) को अमानक पाया गया।

ड्रग कंट्रोलर ने संबंधित बैच की दवाओं को बाजार से हटाने और स्टॉक जब्त करने के निर्देश दिए हैं। दोनों दवाएं अक्टूबर 2025 और जुलाई 2026 तक वैध थीं।

गुरुग्राम में कोडीन सिरप और ट्रामाडोल कैप्सूल की बड़ी खेप जब्त

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की गुरुग्राम यूनिट ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सफलता प्राप्त की। टीम ने गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित घाटा रेड लाइट के पास से भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया।

इसके कब्जे से 264 बोतल कोडीन युक्त सिरप और 6720 ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद हुए। गुरुग्राम यूनिट के इंचार्ज इंस्पेक्टर संदीप सिंह ने बताया कि एएसआई अजय कुमार अपनी टीम के साथ घाटा गांव के पास मौजूद थे। सूचना मिली कि अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त एक नशा तस्कर नशीला पदार्थों की खेप लेकर गुरुग्राम से दिल्ली तस्करी करने जा रहा है। टीम ने गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर घाटा रेड लाइट के पास नाका लगाकर संदिग्ध व्यक्ति को काबू कर लिया।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान रजनीश शर्मा के रूप में हुई है। आरोपित के कब्जे से 264 बोतल कोडीन सिरप और 6720 ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद हुए।

डीएलएफ फेस एक थाने में केस दर्ज – आरोपित के खिलाफ डीएलएफ फेस एक थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आरोपित के पास से नशा तस्करी में इस्तेमाल कार को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस इससे पूछताछ के बाद नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाए
स्वास्थ्य का रखें ख्याल
SHREERAM
DEPARTMENTAL STORE
A Complete Shopping Complex
Ramchandra Puruswani
A-1, Basant Bahar, Nr. Gopalpura Flyover, Tonk Road, Jaipur-302 018
HOME DELIVERY AVAILABLE
Ph.Ñ 2548110, 2546851, 5127162

आरजीएचएस में बड़ा फर्जीवाड़ा

लापरवाही और लालच का गठजोड़

जयपुर, राजस्थान - राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में बड़े पैमाने पर हो रहा फर्जीवाड़ा एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। पिछले 45 दिनों से जारी कार्रवाई में अस्पतालों और मेडिकल स्टोर संचालकों की मिलीभगत से लाखों रुपये का घोटाला सामने आया है, जो प्रशासन की घोर लापरवाही और कुछ लोगों के लालच को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

ड्रग विभाग ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश भर के 63 मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। इनमें से 30 लाइसेंस स्थायी रूप से निरस्त किए गए हैं, क्योंकि इन स्टोरों ने बड़े स्तर पर अनियमितताएं कीं और संतोषजनक जवाब देने में भी विफल रहे। यह आंकड़ा बताता है कि यह सिर्फ इक्का-दुक्का घटना नहीं, बल्कि एक संगठित और व्यापक भ्रष्टाचार का जाल है।

धोखाधड़ी का तरीका – बिलों में हेरफेर और फर्जी हस्ताक्षर

जांच में सामने आया है कि मेडिकल स्टोर संचालकों ने फर्जी बिलों के आधार पर सरकारी खजाने से भुगतान उठा लिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जितनी दवाइयों के बिल आरजीएचएस में लगाए गए, उतनी दवाएं स्टोर संचालकों ने खरीदी ही नहीं थीं। इसके अलावा, जिन फार्मासिस्टों ने कभी इन स्टोरों पर काम ही नहीं किया, उनके फर्जी हस्ताक्षर भी बिलों पर पाए गए। यह दर्शाता है कि यह सिर्फ बिलिंग की गलती नहीं, बल्कि सुनियोजित धोखाधड़ी है। स्टोर संचालकों ने कर्मचारियों से सांठगांठ कर लाखों का भुगतान उठाया और कई मामलों में तो एक ही व्यक्ति के नाम पर कई तरह की दवाओं का भुगतान भी उठा लिया गया।

पूरे प्रदेश में फैला फर्जीवाड़ा – भरतपुर में सबसे अधिक मामले

Rajasthan Government Health Scheme
RGHS

यह फर्जीवाड़ा केवल एक जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के लगभग हर हिस्से में फैला हुआ है। जयपुर, सीकर, नागौर, झुंझुनूं, हनुमानगढ़, धौलपुर, दौसा, भीलवाड़ा, बारां, अलवर और झालावाड़ जैसे जिलों में मेडिकल स्टोरों पर गड़बड़ियां पाई गई हैं। हालांकि, भरतपुर में सबसे अधिक 17 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं, जो इस जिले में भ्रष्टाचार के बड़े पैमाने को उजागर करता है। जयपुर में भी 13 मेडिकल स्टोर पर कार्रवाई की गई है। ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने बताया कि विभाग द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर जांच और कार्रवाई की जा रही है और कई मेडिकल स्टोर की जांच अभी भी जारी है।

चिंता का विषय - मरीजों का विश्वास और सरकारी धन का दुरुपयोग

आरजीएचएस जैसी महत्वाकांक्षी योजना, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, में इस तरह का फर्जीवाड़ा न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग है, बल्कि यह योजना के प्रति लोगों के विश्वास को भी ठेस पहुंचाता है। यह घटना प्रशासन की ढीली निगरानी और जांच तंत्र की कमजोरी को भी दर्शाती है, जिसकी वजह से ऐसे घोटाले पनपते रहे। यह जरूरी है कि इस मामले में न केवल दोषी मेडिकल स्टोर संचालकों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी और ऑडिट सिस्टम को भी मजबूत किया जाए।

रेनू नर्सिंग हॉम
40 बेड का मल्टी स्पेशलियटी हॉस्पिटल
डॉ. मुकेश अग्रवाल
एमबीबीएस, एमएस
डॉ. रेनू अग्रवाल
एमबीबीएस एमडी,
41-बी, नीर सागर मार्केट, भांकरोटा, जयपुर मो. 9351100359, 946066844

MADHU FISH
PARADISE
Gopal Singh
Opp. Veterinary Polyclinic Hospital, Gopinath Marg, Panchbatti, Jaipur
Mob-9214338953, 9314638953

ASHOKA
FURNISHINGS
G.S Road, Guwahati-5,
Tel - 0361-2457801-02,
Babu Bazaar, Fancy Bazaar Guwahati1
0361-2637326

JANGID HOSPITAL
Nawalgarh, Jhunjhunu Distt.
झुंझनू जिले के निवासियों की स्वास्थ्य रक्षा का प्रहरी
Dr. Manish Sharma
Consultant Anaesthesiologist & Intensivist
Mo: 9414402800, Ph: 1594-225500

No -Touch Laser Technology

चश्मे को कहिए अलविदा - युवा पीढ़ी के लिए वरदान

डॉ. मनोज काबरा

हैल्थव्यू। तेज़ी से डिजिटल हो रही दुनिया में युवा पीढ़ी की आंखों पर लगातार बढ़ता बोझ अब गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। स्कूल से लेकर ऑफिस और फिर मोबाइल स्क्रीन तक, हर उम्र के लोग घंटों स्क्रीन पर बिताते हैं, जिसका सीधा असर आंखों पर हो रहा है। नतीजा - कम उम्र में ही चश्मा लग जाना।

इसके समाधान के बारे में काबरा आई हॉस्पिटल के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज काबरा का कहना है कि अब इस समस्या का आधुनिक समाधान सामने आया है - No-Touch Trans PRK तकनीक, जिसे CustomEyes Touch Free Laser Vision Correction कहा जाता है। यह तकनीक उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं, जिनके लिए चश्मा न केवल दृश्य बाधा, बल्कि आत्मविश्वास की रुकावट बन जाता है।

क्या है No-Touch Trans PRK ? No-Touch Trans PRK एक उन्नत लेजर तकनीक है जिसमें आंख को बिना छुए ही सिंगल स्टेप में चश्मे का नंबर हटाया जाता है। न ब्लेड, न कोई कट - यह प्रक्रिया पूरी तरह टचलेस और फ्लैप-फ्री होती है, जिससे सर्जरी का डर या जोखिम लगभग समाप्त हो जाता है।

Custom Eyes - दृष्टि सुधार का अगला स्तर CustomEyes तकनीक Wavefront-Optimized Laser का प्रयोग कर हर व्यक्ति की आंखों की संरचना और दृष्टि की आवश्यकताओं के अनुसार व्यक्तिगत समाधान प्रदान करती है। यह विशेष रूप से Myopia (निकट दृष्टि दोष), Hypermetropia (दूर दृष्टि दोष), Astigmatism, Presbyopia, पतली कॉर्निया, और Early Keratoconus के मामलों में प्रभावी है।

क्यों चुनें CustomEyes ?

ड्राय आईज का कोई खतरा नहीं, ब्लेड या कट की आवश्यकता नहीं, प्रक्रिया केवल 5 मिनट में खिलाड़ियों के लिए उपयुक्त - कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स में भी सुरक्षित हाई मायोपिया और पतली कॉर्निया वाले मरीजों के लिए भी संभव।

पूरी तरह टचलेस - कोई शारीरिक संपर्क नहीं
पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट - हर आंख के लिए अलग मैपिंग लेकिन अब CustomEyes जैसी तकनीक युवाओं को फिर से बिना चश्मे के जीवन जीने का आत्मविश्वास दे रही है।

संदेश - दृष्टि केवल देखने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता का प्रतीक है।

"Your Vision, Our E&pertise!" आज ही परामर्श लें और जीवन की ओर नई दृष्टि से देखें।

संपर्क सूत्र - डॉ मनोज काबरा
मो 941-430-6722

न्यूरोसर्जन डॉ. राजवेन्द्र सिंह चौधरी की टीम ने

पिंक स्टार हॉस्पिटल में रीढ़ की हड्डी के जटिल ट्यूमर की सफल सर्जरी

राजवेन्द्र सिंह चौधरी

जयपुर। रीढ़ की हड्डी में मौजूद एक दुर्लभ और जटिल ट्यूमर की सफल सर्जरी कर पिंक स्टार हॉस्पिटल, जयपुर की न्यूरोसर्जरी टीम ने 24 वर्षीय युवक की जान बचाई। राजापार्क निवासी जतिन शर्मा को लंबे समय से कमर दर्द, पैरों में कमजोरी, और मल-मूत्र नियंत्रण की समस्या हो रही थी। जांच में खुलासा हुआ कि वह कोनस मेडूलेरिस इंट्रामेडूलरी ट्यूमर से पीड़ित था।

सीनियर न्यूरोसर्जन डॉ. राजवेन्द्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में लगभग 6 घंटे तक चले ऑपरेशन में इस जटिल ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला गया। यह सर्जरी नवीनतम न्यूरोसर्जिकल तकनीकों के माध्यम से की गई। डॉ. राकेश शर्मा और मेडिकल अधीक्षक डॉ. अश्विनी शर्मा ने बताया कि ऑपरेशन के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य गतिविधियां कर पा रहा है।

डॉक्टरों के अनुसार, रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर बनना एक दुर्लभ स्थिति है, लेकिन यह लक्षणों के रूप में गंभीर रूप ले सकता है। इसके कारणों में आनुवांशिक परिवर्तन, न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस जैसी बीमारियां या लंबे समय तक की गई एक्सपोज़र ट्रीटमेंट्स हो सकते हैं। प्रारंभिक लक्षणों में पीठ दर्द, सुन्नता, कमजोरी, और मूत्र/मल पर नियंत्रण न रहना शामिल हैं। समय पर MRI जैसे इमेजिंग परीक्षण से निदान और तत्काल न्यूरोसर्जरी ही इस रोग का कारगर उपचार है। साथ ही, तनाव मुक्त जीवनशैली, पोषक तत्वों से भरपूर आहार और नियमित व्यायाम रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं।

न्यूरोसर्जन डॉ. राजवेन्द्र सिंह चौधरी मो +918696664345

घंटे से ज्यादा सोने वाले हो जाएं सावधान

हैल्थव्यू। भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास वक्त ही नहीं है। वो प्रकृति से दूर हो गए हैं। तभी तो लोगों की सेहत भी खराब हो रही है। खराब सेहत का पहला सिग्नल नींद का बिगड़ना है। वैसे तो 9 घंटे की नींद सेहत के लिए अच्छी होती है, लेकिन अगर आप 7 घंटे से कम सोते हैं तो अलर्ट हो जाइए। क्योंकि ये आपके बीपी-शुगर-थायराइड और कोलेस्ट्रॉल को इम्बैलेंस कर सकता है। स्टडी के मुताबिक जान जाने का रिस्क भी ऐसे लोगों में 14त्न बढ़ जाता है। हां लेकिन इसका ये मतलब भी नहीं कि कुम्भकर्ण बन जाइए। क्योंकि 9 घंटे से ज्यादा सोना और ज्यादा जानलेवा है। इसमें जान जाने का जोखिम 34 प्रतिशत ज्यादा है। मतलब ये कि किसी भी चीज की अति सेहत के लिए खराब होती है। फिर वो नींद ही क्यों न हो। इसलिए रात को समय पर सोने और सुबह समय पर उठने की आदत बनाएं।

जन्मजात विकृति से ग्रसित युवती का सफल ऑपरेशन

कृत्रिम योनी मार्ग बनाया, वेजाइनोप्लास्टी तकनीक से 4 घंटे चली सर्जरी

हैल्थवयू @ जयपुर

जयपुर के सरकारी हॉस्पिटल में दुर्लभ बीमारी से ग्रसित युवती का सफल ऑपरेशन कर उसे नई जिंदगी दी गई। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) हॉस्पिटल में मुलेरियन एजेनेसिस बीमारी से ग्रसित युवती की सर्जरी की गई।

डॉ. एस.आर सैनी

दरअसल, इस बीमारी में महिला के गर्भाशय और अंडेदानी का मार्ग प्राकृतिक रूप से नहीं बना होता है, जिसे वेजाइनोप्लास्टी तकनीक से सर्जरी कर कृत्रिम योनि मार्ग बनाया गया। ऑपरेशन के बाद अब युवती ठीक है और उसे हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई है।

आरयूएचएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने बताया- ये ऑपरेशन स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विनिता गर्ग के निर्देशन में डॉ. एस.आर सैनी और उनकी टीम ने किया।

डॉ. सैनी ने बताया- मुलेरियन एजेनेसिस बीमारी में जन्म से फीमेल के योनी मार्ग नहीं बनता है। इस कारण यूरिन तो पास होता है, लेकिन मरीज के पीरियड नहीं आते है, जिससे गर्भधारण भी नहीं हो पाता है। इस बीमारी में जब बच्ची 15-17 साल की हो जाती है, तब उसका ऑपरेशन करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि आरयूएचएस में ये पहला केस है, जिसका ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक किया गया।

ऑपरेशन में लगा 4 घंटे का समय - डॉ. एस.आर सैनी ने बताया- वेजाइनोप्लास्टी नामक उन्नत सर्जरी तकनीक के माध्यम से कृत्रिम योनिमार्ग को बनाने के लिए ये ऑपरेशन किया गया। इसमें 4 घंटे से भी ज्यादा का

समय लगा है। साथ ही इस ऑपरेशन में प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की भी मदद लेनी पड़ती है। इस तरह की बीमारी में 80 हजार से ज्यादा महिलाओं में से एक में मिलती है।

इस ऑपरेशन में डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. रिया, ऐनेस्थिसिया विभाग में डॉ. योगेश मोदी, डॉ. वरूण सैनी, डॉ. मनीष खण्डेलवाल और प्लास्टिक सर्जरी विभाग से डॉ. मनीष राजपुरोहित का सहयोग रहा।

राजस्थान हॉस्पिटल में अनोखी सर्जरी - जांघ की नसें ब्लॉक थीं, हाथ की नसों से बदला हार्ट वॉल्व

डॉ. रविंद्र सिंह राव

हार्ट वॉल्व सर्जरी में नई तकनीक के जरिए राजस्थान हॉस्पिटल में एक दुर्लभ प्रक्रिया की गई। 78 वर्षीय मरीज हेमेंद्र की दोनों जांघों की नसें कैल्शियम जमा होने से ब्लॉक थीं। ऐसे में सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंद्र सिंह राव और उनकी टीम ने हाथ की नस से कृत्रिम हार्ट वॉल्व ट्रांसप्लांट कर सफलता हासिल की। प्रोसीजर परक्यूटेनियस ट्रांसएग्जिलरी टावी तकनीक से किया गया। कॉलर बोन के पास स्थित सबक्लेवियन आर्टरी में ट्यूब डालकर वॉल्व लगाया गया। पूरी प्रक्रिया बिना ओपन सर्जरी के की गई। सर्जरी टीम में डॉ. कैलाश चंद, डॉ. गोविंद नारायण शर्मा और डॉ. प्रशांत वार्ष्णेय भी शामिल थे।

लाल गुलाबी राखी से रंग रहा संसार, सूरज की किरणें खुशियों की बहार, चांद की चांदनी अपनों का प्यार।
रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. Gitanjali Devgarha
MS (Gynae and Obst)
Director
DEVGARHA HOSPITALS
Near Nehru Park, Behind Toyota Showroom, Tonk Road, Jaipur
0141-4878569 +91 7976889556, +91 9414287892
E-mail : devgarhahospital@gmail.com

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
रमन अग्रवाल
मोबाइल
9829066272

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
ORTHOPEDIC SPECIALTY CLINIC
Dr. MANISH VAISHNAV
M.S. Ortho (SMS Jaipur)
Fellowship in Joint Replacement
Fellowship in Advance Shoulder Surgery (Germany)
Shoulder, knee & Hip Specialist
Arthroscopy & Joint Replacement Surgeon
Shalby Hospital, Jaipur Mob. 9001740688

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
YASH BATTERY SERVICE
Authorised Sales & Service Dealer
EXIDE
Yash Pal Bhatia
Mob - 9414066535
BOSCH
Vaibhav Bhatia
Mob -8851730213
Shop No. 6-7, Baraf Khana, Adarsh Nagar Jaipur

Dr. Yogesh Gupta
M.B.B.S., M.S., Ch. (Neurosurgery)
(Director & Chief Consultant Neurosurgeon)
15+ years Brain and Spine Surgery Experience
PRIYUSH NEURO
& SUPER SPECIALITY HOSPITAL
रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
SFS Chauraha, B2 Bypass, Mansarovar, Jaipur Mob- 8690099711, 7425933663

Dr. NAVNEET SAXENA
Senior Consultant Nephrologist Professor,
Jaipur National University Hospital
-:- Clinic address -:-
KIDNEY CARE AND GENERAL HOSPITAL
388, Laxman path Vivek vihar Opp vivek vihar metro station, Jaipur
Contact no 9571657457

कैंसर

दांत, जुबान और मसूड़े दे सकते हैं कैंसर और गंभीर रोगों का संकेत

हैल्थव्यू। मुंह के भीतर की छोटी-छोटी दिक्कतें भी बड़ी बीमारियों का संकेत हो सकती हैं। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित लिखियानी के अनुसार, दांतों, मसूड़ों और जुबान में होने वाले बदलावों को नजरअंदाज करना कई बार खतरनाक साबित हो सकता है। अक्सर ये संकेत गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, एनीमिया या तनाव जैसी मानसिक स्थितियों की ओर इशारा करते हैं।

डॉ. ललित लिखियानी

डॉ. लिखियानी बताते हैं कि जुबान का अधिक लाल हो जाना आयरन की कमी यानी एनीमिया की ओर संकेत करता है। ऐसे मरीजों की जुबान में सूजन आ जाती है

और उसका टेक्सचर भी बदल जाता है। कई बार क्रैक भी नजर आते हैं। वहीं, दांतों का घिसकर चपटा हो जाना तनाव और बेचैनी का लक्षण होता है। इस स्थिति में माउथगार्ड या बोटॉक्स इंजेक्शन से दांतों को बचाया जा सकता है। मुंह में सफेद चकत्ते (व्हाइट पैच) भी गंभीर समस्या का इशारा कर सकते हैं। आमतौर पर ये नुकसान नहीं पहुंचाते लेकिन कई बार यह एचआईवी संक्रमण या कैंसर की शुरुआती अवस्था हो सकती है। यदि लंबे समय तक सफेद पैच बना रहे तो बायोप्सी कराना ज़रूरी है, जिससे कैंसर की पुष्टि की जा सके। जो मरीज बार-बार उल्टी करते हैं, उनके दांतों में सेंसिटिविटी की शिकायत आम हो जाती है। कारण, उल्टी के साथ पेट का एसिड दांतों की इनेमल को क्षतिग्रस्त कर देता है। मुंह में गांठ, अल्सर या लगातार दर्द रहना मुंह के कैंसर की शुरुआती निशानी हो सकती है। समय पर पहचान और इलाज ही बचाव का सबसे बेहतर तरीका है।

संपर्क डॉ. ललित लिखियानी
मो:- 9461500065

समाजसेवा को समर्पित जन्मदिवस
कैलाश चन्द शर्मा ने मनाया जन्मदिन समाजहित में

कैलाश चन्द शर्मा

युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, वरिष्ठ समाजसेवी एवं गौसेवा के लिए समर्पित कैलाश चन्द शर्मा (दुर्गापुरा) ने अपने जन्मदिवस को केवल व्यक्तिगत उत्सव न बनाकर समाज के नाम समर्पित कर एक मिसाल कायम की। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा एवं अध्यक्ष, कृष्ण गोपाल गौशाला, मोहनपुरा (वाटिका) के रूप में शर्मा ने समाज के प्रति अपने दायित्व को एक नई ऊँचाई दी है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर सिद्धपीठ बैनाडा धाम, आगरा रोड, जयपुर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही एक विशाल रक्तदान शिविर, नेत्र जांच एवं ऑपरेशन, सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण, और यहाँ तक कि निशुल्क घुटना प्रत्यारोपण शिविर का भी आयोजन किया गया। समाज के लोगों ने शर्मा की इस प्रेरणादायी पहल को अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय बताया।

इस अवसर पर श्री कैलाश चन्द शर्मा ने कहा - जन्मदिन पर केवल स्वयं और परिवार के साथ केक काटने से बेहतर है कि हम समाज के लिए कुछ करें। यही सच्ची सेवा और सच्चा उत्सव है। **आयोजन समिति के मोबाइल नंबर 99507 67762 है।**

Dr. Pushkar Gupta
MD (Med.), DM, DNB (Neuro)
Consultant
Neurologist
C.K. BIRLA Hospital
Resi : A-13, Jai Jawan-1, Tonk Road, Durgapura. Jaipur
Mo : 9828020015

पाइल्स हॉस्पिटल
पाइल्स (बवासीर) व अन्य गुदारोगों का अस्पताल
A DAY CARE ANOREACTAL SURGERY CENTRE
डॉ. दिनेश शाह वरिष्ठ पाइल्स एवं गुदा रोग विशेषज्ञ M.S., FAIS, FIAGES, FACRSI
डॉ. अंशुल शाह मो. 8209632767
6/64, विद्याधर नगर, जयपुर
फोन - 0141-2334959

100 दिन में 100 रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण

डॉ आर पी सैनी

धनवंतरी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर मे
चिकित्सा क्षेत्र में रचा कीर्तिमान

है ल्थव्यू । राजधानी स्थित धनवंतरी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। अप्रैल 2025 में हॉस्पिटल द्वारा अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक की स्थापना के बाद महज 100 दिनों में 100 सफल घुटना प्रत्यारोपण कर एक कीर्तिमान स्थापित किया गया है।

इस उपलब्धि के पीछे मुख्य भूमिका निभाई है सुप्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. आर. पी. सैनी और रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. ओजस सैनी ने। डॉ. ओजस बताते हैं कि उनके द्वारा की गई ये सर्जरी केवल सामान्य मरीजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि 85 वर्षीय बुजुर्गों, हृदय रोगियों, एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी करवा चुके मरीजों के भी जटिल ऑपरेशन अत्यंत सफलता के साथ संपन्न किए गए। उन्होंने बताया कि पहले ऐसे मरीज, जिन्हें उम्र या अन्य गंभीर बीमारियों के चलते सर्जरी का जोखिम बताया जाता था, अब रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से दर्द और डर दोनों से मुक्त होकर फिर से सामान्य जीवन जीने लगे हैं। डॉ. आर. पी. सैनी, अस्पताल के निदेशक, ने बताया कि यहां की रोबोटिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम और मरीजों के प्रति समर्पण की भावना के कारण न केवल राजस्थान, बल्कि दिल्ली, पंजाब समेत अन्य राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। इस उपलब्धि को आमजन तक पहुंचाने और घुटनों की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को नई उम्मीद देने के लिए हॉस्पिटल द्वारा हाल ही में एक जनजागरूकता मैराथन का आयोजन भी किया गया। इस मैराथन का उद्देश्य यह संदेश देना था कि अब घुटनों के दर्द को जीवन की नियति नहीं समझना चाहिए। आधुनिक तकनीक के साथ दर्द रहित और सुरक्षित रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से हर उम्र के लोग फिर से सक्रिय और चलायमान जीवन जी सकते हैं।

संपर्क सूत्र - डॉ आर पी सैनी
मो 9829055760

SRK
एस. आर. के. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल
राजस्थान का पहला थुलियम फाईबर लेजर
- छोटे चिरे से ऑपरेशन
- कम दर्द
- न के बराबर रक्त स्त्राव
- निशान रहित ऑपरेशन
- हर तरीके की पथरी का सम्पूर्ण ईलाज
- सर्जरी के अगले ही दिन हॉस्पिटल से छुट्टी

डॉ. राकेश शर्मा
डायरेक्टर (मूत्र एवं गुर्दा रोग विभाग)

MAA (विरंजीवी) आयुष्मान आरोग्य योजना, (हरियाणा सरकार) एवं सभी प्रमुख TPA से ईलाज हेतु अधिकृत अस्पताल
24x7 क्रिटिकल केयर 40 बेडेड (ICU) 24x7 CT स्केन-MRI सुविधा एडवांस कैथ लेब मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर रेडियोलॉजी एवं पैथोलॉजी
33-34, एवरेस्ट कॉलोनी, टोंक रोड़ लालकोठी, जयपुर -302015 9773332601, 0141-4866644

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रमन अग्रवाल द्वारा 170/ 3, रामगली राजापार्क के लिए जयपुर से प्रकाशित एवं मोहन शर्मा एंड कंपनी प्रा. लि., ए-10, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित। सम्पादक : रमन अग्रवाल, सह सम्पादक - मीना अग्रवाल, 9829066272